

आहुति हवन द्रव्य

वैदिक प्रेरणा से निर्मित सात्त्विक हवन सामग्री

अन्न • बीज • फल • मधुर द्रव्य • औषधि • सुगंध • पुष्प

हमारी प्रेरणा

हवन केवल अग्नि में सामग्री डालने की क्रिया नहीं है। वैदिक परंपरा में यज्ञ देवताओं, प्रकृति और मानव के मध्य पारस्परिक पोषण का माध्यम माना गया है।

युगों से यज्ञ और हवन भारतीय जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। प्रत्येक आहुति के साथ मनुष्य अपनी कृतज्ञता, प्रार्थना और मंगलकामना को अग्नि के माध्यम से समर्पित करता है।

इसी भाव को आधार मानकर हमने स्वयं से एक प्रश्न पूछा—

"यदि आहुति देवताओं के लिए समर्पित हवि है, तो उसमें मुख्य रूप से कौन से पदार्थ होने चाहिए?"

आज बाजार में उपलब्ध अनेक हवन सामग्रियों में लकड़ी का चूरा, सूखे कंड़े, सूखी पत्तियाँ तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थ बड़ी मात्रा में मिलाए जाते हैं। इनमें से अनेक पदार्थ वास्तव में **समिधा** के रूप में उपयोग किए जाने योग्य हैं, न कि **हवि (आहुति-द्रव्य)** के रूप में।

वैदिक परंपरा में समिधा और हवि दोनों का अपना-अपना स्थान है। समिधा अग्नि को धारण और पोषित करती है, जबकि हवि देवताओं को समर्पित की जाती है।

हमने हवन सामग्री का आधार ऐसे पदार्थों को बनाया जिन्हें भारतीय परंपरा में शुभ, सात्त्विक, पूज्य, पोषणकारी तथा अर्पण योग्य माना जाता है।

इसी विचार से जन्म हुआ-

"आहुति हवन द्रव्य"

एक ऐसी संरचना जिसमें केंद्र में हैं—

अन्न, बीज, फल, मधुर द्रव्य, औषधियाँ, सुगंधित मसाले और पुष्प।

हमारी विशेषता

हमारी हवन सामग्री का आधार सात्त्विक, अर्पण योग्य एवं पोषणकारी पदार्थों का संतुलित चयन है।

हमारी संरचना निम्न सिद्धांतों पर आधारित है:

- अन्न प्रधान संरचना

- सात्त्विक एवं पूज्य सामग्री
 - चयनित प्राकृतिक घटक
 - औषधीय एवं सुगंधित तत्वों का संतुलित समावेश
 - अनावश्यक भराव पदार्थों से मुक्त
 - सरल, शुद्ध और संतुलित संरचना
 - दैनिक एवं विशेष हवन के लिए उपयुक्त
-

सामग्री के सात प्रमुख वर्ग

१. अन्न वर्ग

अन्न जीवन, पोषण और समृद्धि का आधार माना जाता है।

मुख्य घटक:

- चावल
 - यव (जौ)
-

२. बीज वर्ग

तिल यज्ञ में अत्यंत पूजनीय एवं शुभ माना गया है।

मुख्य घटक:

- श्वेत तिल
 - कृष्ण तिल
-

३. फल एवं शुष्कफल वर्ग

फल एवं शुष्कफल पोषण, समृद्धि और पूर्णता के प्रतीक हैं।

मुख्य घटक:

- काजू
 - बादाम
 - किशमिश
 - मखाना
 - सूखा नारियल
-

४. मधुर वर्ग

मधुर द्रव्य मंगल, संतोष और समृद्धि के प्रतीक हैं।

मुख्य घटक:

- शर्करा
-

५. औषधि वर्ग

ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में औषधियों की महिमा का विस्तृत वर्णन प्राप्त होता है।

मुख्य घटक:

- चयनित सूखी औषधियाँ
 - यज्ञोपयोगी वनस्पतियाँ
-

६. सुगंध द्रव्य वर्ग

सुगंधित द्रव्य यज्ञीय वातावरण को पवित्र और मंगलमय बनाते हैं।

मुख्य घटक:

- इलायची
 - लौंग
 - तेजपत्ता
 - अन्य चयनित सुगंधित मसाले
-

७. पुष्प वर्ग

पुष्प श्रद्धा, सौंदर्य और समर्पण के प्रतीक हैं।

मुख्य घटक:

- सूखे पुष्प
-

हमारी संरचना क्यों विशेष है?

हम मानते हैं कि हवन सामग्री का मूल आधार ऐसे पदार्थ होने चाहिए जो—

- सात्त्विक हों
- पूज्य हों
- परंपरागत रूप से यज्ञ में ग्राह्य हों
- अन्न, बीज, फल, मधुर द्रव्य एवं औषधि के रूप में जीवनदायी हों

इसी दृष्टि से हमारी संरचना में धान्य, तिल, शुष्कफल, शर्करा, औषधि, सुगंधित मसाले एवं पुष्पों का संतुलित समावेश किया गया है।

हमारा प्रयास एक ऐसी हवन सामग्री प्रस्तुत करना है जिसमें आहुति का केंद्र केवल ज्वलनशील पदार्थ नहीं, बल्कि श्रद्धा, पोषण, सात्त्विकता और मंगलभाव होना चाहिए।

उपयोग

- दैनिक गृह हवन
- अग्निहोत्र
- गायत्री यज्ञ
- गृहप्रवेश
- वास्तु शांति
- नामकरण एवं अन्य संस्कार
- पारिवारिक एवं सामूहिक यज्ञ

हमारा संकल्प

"शुद्ध द्रव्य • सात्त्विक संरचना • वैदिक भावना"

प्रत्येक आहुति केवल अग्नि को नहीं, अपितु श्रद्धा, कृतज्ञता, देवोपासना और लोककल्याण की भावना को समर्पित है।

महत्वपूर्ण निवेदन

भारत की समृद्ध हवन परंपराओं में विविध प्रकार की सामग्री और विधियों का प्रयोग किया जाता है।

आहुति हवन द्रव्य उस सरल विचार से प्रेरित है कि आहुति में ऐसे पदार्थों का समावेश हो जो सात्त्विकता, श्रद्धा, पोषण और मंगलभाव का प्रतिनिधित्व करें। इसी उद्देश्य से इसमें अन्न, बीज, फल, मधुर द्रव्य, औषधियाँ, सुगंधित मसाले और पुष्पों का संतुलित संयोजन किया गया है।